BPYG-171

स्नातक

सत्रीय कार्य 2022-23

BPYG–171

अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र

अंतःविषयक एवं पराविषयक अध्ययन विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-68

प्रिय विद्यार्थी,

यह सत्रीय छह क्रेडिट के बीपीवाईजी-171 अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र का अध्यापक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है। इस सत्रीय कार्य के अधिकतम अंक 100 हैं और इसका भारांक 30 प्रतिशत है।

इस सत्रीय कार्य में दीर्घौत्तरीय, लघु उत्तरीय और लघु टिप्पणी वाले प्रश्न हैं। सत्रीय कार्य को आरम्भ करने के पहले पाठ्यक्रम पुस्तिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि सभी प्रश्नों के उत्तर स्वयं अपने शब्दों में लिखें। प्रश्नों के उत्तर खण्ड के लिए निर्धारित शब्द-सीमा में होना चाहिए। प्रश्नोत्तर का यह अभ्यास आपकी लेखन क्षमता में सुधार करके अन्तिम मुख्य परीक्षा के लिए आपको तैयार करेगा।

सत्रीय कार्य को निर्धारित समय में जमा करने पर ही आपका अभ्यर्थन स्वीकृत होगा। सत्रीय कार्य को पूरा करने की समय-सीमा निम्नवत् है:-

सत्र	**अन्तिम तिथि**	**किसे जमा किया जाए**
जुलाई, 2022 सत्र	अप्रैल 30, 2023	अध्ययन केन्द्र के समन्वयक को
जनवरी, 2023	अक्टूबर 31, 2023	अध्ययन केन्द्र के समन्वयक को

सत्रीय कार्य को जमा करने की पावती को अध्ययन-केन्द्र से अवश्य लें और पावती को सम्भालकर रखें। सत्रीय कार्य की प्रतिलिपि को भी सुरक्षित रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन-केन्द्र आपके सत्रीय कार्य को वापिस कर देगा। इस हेतु अध्ययन-केन्द्र से सुदृढ़ प्रार्थना करें। अध्ययन-केन्द्र आपके प्राप्तांक को विद्यार्थी मूल्यांकन केन्द्र, इग्नू नई दिल्ली को भेजेगा।

शुभकामनाओं सहित!

BPYG-171 अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र

(जेनेरिक कोर्स)

(अध्यापककृत मूल्यांकित सत्रीय कार्य)

कोर्स कोड: BPYG-171

सत्रीय कार्य: BPYG-171/ASST/TMA/2022-23

अधिकतम अंक: 100

नोट:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी पांच प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 एवं 2 के उत्तर लगभग 400-400 शब्दों में दीजिए।**

1. व्यक्तिपन के विचार को परिभाषित करने के विभिन्न तरीके क्या हैं? और ये तरीके गर्भपात के नैतिक विमर्श को किस तरह से प्रभावित करते हैं? 20

अथवा

टिप्पणी लिखिए, 10+10= 20

अ) 'है-चाहिए' अन्तराल

आ) अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र में साक्ष्य का उच्च-निम्न प्रतिरूप

2. पशु अधिकार के सन्दर्भ में पीटर सिंगर के वरीय उपयोगितावाद की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

सहायक पुनुर्त्पादन तकनीकि क्या है? सहायक पुनुर्त्पादन तकनीकि के नैतिक निहितार्थों पर टिप्पणी लिखिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 250-250 शब्दों** में लिखिए। 2*10= 20

अ) पशु-केन्द्रित नीतिशास्त्र की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? 10

आ) तकनीकि के क्षेत्र में नैतिक सिद्धान्तों के अस्थायी उपयोग पर टिप्पणी लिखिए। 10

इ) पशु अधिकार के पक्ष में टॉम रीगन ने क्या मुख्य युक्तियां दीं? व्याख्या कीजिए। 10

ई) चिकित्सीय नीतिशास्त्र के मामले में विभिन्न सिद्धान्तों के संघर्ष को आप कैसे सुलझायेंगे? अपने उत्तर का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों** में लिखिए। 4*5= 20

अ) आत्महत्या के विचार के विरुद्ध इमानुएल काण्ट ने क्या युक्तियां दीं? 5

आ) पुनुर्त्पादन अधिकार का प्रकटीकरण कैसे हो सकता है? 5

इ) सरोगेसी क्या है? सरोगेसी के विरुद्ध क्या युक्तियां हैं? 5

ई) आत्महत्या के विरुद्ध धर्मशास्त्रीय युक्ति क्या है? 5

उ) न्याय और नैतिकता के मध्य क्या सम्बन्ध है। 5

ऊ) इच्छामृत्यु के विरुद्ध युक्तियों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच पर 100-100 शब्दों में** लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) सूचित सहमति 4

आ) विकल्प समस्या 4

इ) परम्परागत नैतिकता 4

ई) कॉरपोरेट प्रशासन में व्यावसायिक नैतिकता की भूमिका 4

उ) संसक्ततावाद 4

ऊ) अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र 4

ऋ) डाटा उल्लंघन 4

ऌ) मानव अधिकार 4